एपी फोटो/जेफ्ट © एपी-वर्ल्ड वाइड फोटो

मिनेसोटा से चुने गए कांग्रेस में पहले मुस्लिम प्रतिनिधि

डैनियल डब्ल्यू रीली

मार्च 2007 में जोर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय ने हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स में अपने संबोधन के अंत में परम्परागत अरब अभिवादन 'अस्सलाम अलेकुम' कहा तो कांग्रेस के पहले मुस्लिम सदस्य, मिनेसोटा के डेमोक्रेट कांग्रेसमैन कीथ एलिसन ने सहज रूप से प्रत्युत्तर दिया, ''वलैकुम अस्सलाम!'' एलिसन याद करते हैं, ''सभा में सन्नाटा छा गया। और उस क्षण मैंने अनुभव किया कि मैं कुछ अलग, कुछ हट कर हूं।''

11 सितम्बर के हादसे से गुजरे अमेरिका में कीथ एलिसन सचमुच बाकी पहली बार चुने गए कांग्रेसमैन से अलग हैं। 43 वर्षीय एलिसन ने अवकाश प्राप्त कर रहे प्रतिनिधि मार्टिन ओलाब साबो की जगह ली। उन्हें भारी बहुमत से चुना गया। कुछ ही महीनों में वह इस्लामी जगत में कांग्रेस के दूत ही बन गए हैं। विदेश विभाग ने उन्हें एक सांस्कृतिक दूत के रूप में चुना है, हाल ही में वह कांग्रेस अध्यक्ष नैंसी पेलॉसी के साथ सीरिया की यात्रा पर गए थे।

कीथ एलिसन बताते हैं कि मिनेसोटा राज्य विधानसभा की सदस्यता के दौरान उनके धर्म की ओर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता था लेकिन अब तो जैसे उनके हर कदम पर निगाह रखी जाती है। पिछले साल नवम्बर में उनक कांग्रेस के लिए चुने जाने पर सीएनएन हैडलाइन न्यूज़ के प्रस्तुतकर्ता ग्लेन बेक ने उनसे कहा कि, ''(आप) साबित करें कि आप हमारे दुश्मनों के साथ काम नहीं कर रहे हैं।'' इस प्रश्न की पूरे मुस्लिम जगत में हलचल रही। लेकिन कीथ एलिसन खुद को इस्लाम के प्रवक्ता के रूप में नहीं देखते, ''मैं खुद को एक विश्व धर्म का प्रतिनिधित्व करने के योग्य नहीं मानता।''

शिया और सुन्नी पंथों में अंतर के बजाय वह अपने पहले विधेयक के बारे में बात करना चाहते हैं जो क्रेडिट कार्ड कम्पनियों द्वारा ग्राहकों को कर्ज़ के जाल में फंसाने पर लगाम कसने का महत्वाकांक्षी कानून बन सकता है।

खुद को 'अति उदारवादी' बताते हुए वह कहते हैं कि वह सिर्फ मुस्लिम होने के नाते नहीं बल्कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, गरीबी कम करने, ईराक युद्ध समाप्त करने और ग्राहकों को कर्ज़ के जाल में फंसाने पर लगाम कसे जाने जैसे मुद्दों की हिमायत के लिए याद किया जाना चाहेंगे।

क्रेडिट कार्ड कम्पनियों के कर्ज़ के शिकंजे के विरुद्ध बिल के बारे में वह स्पष्ट करते हैं, ''यह बिल मध्यवर्ग में शामिल होने के इच्छुक लोगों की आकांक्षाओं, देश की समृद्धि का सुख पाने के बारे में है। सदन की वित्तीय सेवा समिति के अध्यक्ष बार्नी फ्रैंक ने इसे उठाने के लिए मुझे पूरा प्रोत्साहन दिया।''

एलिसन खिन्न हैं कि मीडिया का ध्यान क्रेडिट कार्ड बिल ने नहीं, उनके धर्म ने आकर्षित किया। वह कहते हैं, ''मैं खुद अपने धर्म के बारे में बात नहीं करता, दूसरे लोग ही मेरे धर्म के बारे में बात करते हैं।''

उनके पदग्रहण करने से पहले ही उनके धर्म को लेकर विवाद खड़ा होने लगा था। दिसम्बर में वर्जिनिया के रिपब्लिकन प्रतिनिधि वर्जिल एच.गुड ने एक पत्र में लिखा कि अमेरिका की सीमाओं को कसा जाना चाहिए वर्ना एलिसन जैसे ''ढेरों और'' मुस्लिम यहां घुसे चले आएंगे और सार्वजनिक पदों के लिए उम्मीदवार बनेंगे। और जब उन्होंने कभी राष्ट्रपति थॉमस जेफ़रसन के पास रही कुरान की एक प्रति पर शपथ ली तो एक बार फिर रेडियो पर होने वाली चर्चाओं में उनके धर्म पर टिप्पणी हुई। लेकिन इन घटनाओं से उन्हें विश्वव्यापी पहचान भी मिली।

इस्लाम पर राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के सलाहकार रह चुके 'जर्नी इनटु इस्लाम: द क्राइसिस ऑफ़ ग्लोबलाइजेशन' के लेखक अकबर अहमद कहते हैं, ''प्रतीक के रूप में और ऐतिहासिक विकास के स्तर पर भी उनका चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है।'' वह बताते हैं कि अपनी किताब के लिए शोध करते हुए उन्होंने पाया कि मुस्लिम जगत में लोग उन्हें अमेरिका में मुसलमानों की बढ़ती स्वीकृति के प्रतीक के रूप में देखते हैं।

कांग्रेस के मुस्लिम कर्मचारी भी यही मानते हैं। कांग्रेशनल मुस्लिम स्टाफर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और न्यूयॉर्क से डेमोक्रेटिक पार्टी रिप्रेजेंटेटिव ग्रेगरी डब्ल्यू.मीक्स के कार्यालय के प्रमुख जमील आलिम जॉनसन कहते हैं, ''वह हमारी आस्था को समझते हैं, वह जानते हैं कि हम अमेरिका में क्या हासिल कर सकते हैं।''

लेकिन एलिसन का ध्यान कांग्रेस की कार्यप्रणाली पर टिका है। मिनेसोटा से ही दूसरे डेमोक्रेट रिप्रेजेंटेटिव जेम्स एल.ऑबेरस्टार कहते हैं, ''वह बहुत गम्भीर, अध्ययनशील व्यक्ति हैं और पूरे उत्साह से अपने काम में जुटे हैं।''

एलिसन कहते हैं कि उनके लिए कुल मिलाकर कांग्रेस 'एक अच्छी जगह' साबित हुई है। सच तो यह है कि उनके कड़े आलोचक उनके चुनाव क्षेत्र के उदारवादी कार्यकर्ता ही हैं जो इराक युद्ध खत्म करवाने पर कड़ा रुख न अपनाने के कारण उनसे इतने नाराज हुए कि कांग्रेस में उनके कार्यालय में ही धरने पर बैठ गए।

लेकिन एलिसन पर युद्धविरोधियों से भी अधिक दबाव वे लोग डालते हैं जो चाहते हैं कि वह मुस्लिम जगत में अमेरिका की छवि को बेहतर बनाने में सहयोग दें। खुद एलिसन मध्य-पूर्व यात्राओं के आग्रहों और विदेशी पत्रकारों से लगातार मुलाकातों को दबाव नहीं मानते। ''मैं अभी, यहां जो सामने है, उस पर ध्यान दे रहा हूं। मैं अपने मुसलमान होने के बारे में ज़्यादा सोच-विचार नहीं करता। मैं खुद को उपलब्ध अवसरों का उपयोग करते हुए जो भी बहुत अच्छी तरह कर सकता हूं, वही करता हूं।''

डैनियल डब्ल्यू. रीली द पॉलिटिको के कांग्रेस संवाददाता हैं।